अध्याय 17

सूचना प्रौद्योगिकी

वार्षिक रिपोर्ट 2018–19

सूचना प्रौद्योगिकी

आईसीटी लैंडस्केप के विविधीकरण तथा डिजीटल इंडिया पहल के साथ सरकार के लिए यह नितांत आवश्यक हो गया है कि उपभोक्ताओं की बदलती हुई अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए परिवर्तनों में गुणात्मक एवं मात्रात्मक परिवर्तन लाया जाए। वर्ष 2018–19 में कोयला मंत्रालय ने एनआईसी के साथ अथक प्रयास करते हुए आईटी कार्य परिस्थितियों एवं सर्विस डिलीवरी में मानकीकरण एवं सुधार हेतु अग्रणी भूमिका निभाई है।

- कोयला मंत्रालय में एनआईसी कोल कम्प्यूटर सेंटर डिलिवरिंग तथा सुरक्षित मल्टी–प्लेटफार्म कम्प्यूटर आधारित अनुप्रयोगों तथा समाधानों, डाटाबेस सपोर्ट और इंटरनेट, ई–मेल, नेटवर्क और विडियो कांफ्रेंसिंग सुविधाओं के लिए नवीनतम कंप्यूटर प्रणालियों से सुसज्जित है। कोयला मंत्रालय ने एनआईसी–मेघराज की क्लाउड सेवाओं को अपनाया है ताकि अवसंरचना का ईष्टतम उपयोग तथा कोयला मंत्रालय के ई– गवर्नेंस अनुप्रयोगों के विकास और विस्तार को गति प्रदान करना सुनिश्चित किया जा सके।

- कोयला मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट– http://coal.gov.in द्विभाषी, यूजर–फ्रेंडली है तथा इस पर सरल नैविगेशन से शीघ्र ही महत्वपूर्ण एवं नवीनतम अद्यतन सूचना प्राप्त की जा सकती है। क्लटर–फ्री रिस्पोंसिव डिजाइन से अन्त्य उपयोगकर्त्ताओं को साइट पर ही सभी हस्तचालित उपस्करों के बारे में सूचना प्राप्त करने में सहायता मिलती है। वरिष्ठ अधिकारियों का ब्यौरा, मंत्रालय का संगठनात्मक ढ़ांचा, अधीनस्थ कार्यालयों के लिंक्स, नीतियों, वार्षिक रिपोर्टों, प्रकाशनों, अधिनियमों, नियमों, अधिसूचनाओं, पॉलिसियों, आरटीआई के प्रकटीकरण, नवीनतम घोषणाओं तथा पत्रों आदि जैसी समृद्ध अद्यतित विषय वस्तु साइट पर उपलब्ध है। वेबसाइट जीआईजीडब्ल्यू अनुपालित तथा एसटीक्यूसी द्वारा प्रमाणित है। मंत्रालय की वेबसाइट ओपन सोर्स प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए एन आई सी द्वारा विकसित सीएमएफ (सामान्य प्रबंधन ढ़ांचा) के अंतर्गत एक नये प्लेटफार्म से कार्य करने की प्रक्रिया में है। इस ढ़ांचे में वेबसाइट के प्रस्तुतिकरण एवं विषयवस्तु में मानकीकरण एवं सुधार की सुविधा है। इस ढ़ांचे से स्टैटिक वेबसाइट से डायनॉमिक पोर्टल पर जाने की सुविधा तथा इमबैडिड मोड्यूल्स सहित कार्यात्मक विशेषताएं सीएमएफ अपनाने पर मंत्रालयों/विभागों की वेबसाइटों को स्वतः उपलब्ध हो जाएगी।

इसके अलावाए मंत्री कार्यालय की वेबसाइट– http://ujwalbharat.gov.in की देखरेख तथा रख–रखाव मंत्रालय द्वारा किया जाता है। यह साइट माननीय मंत्री महोदय के कार्यालय की देखरेख में रेल और कोयला मंत्रालय की पहलकदमियां तथा उपलब्धियां दर्शाती है।

चूंकि इस वर्ष से शेयरड होस्टिंग रोक दी गई है अतः इन वेबसाइटों को क्लाउड इन्वायरन्मेंट पर शिफ्ट किया गया है। ब्राउसर के साथ सुरक्षित सैशन के लिए सर्वर पर एसएसएल सर्टिफिकेट लगाए गए हैं।

- मंत्रालय में कोल प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग पोर्टल को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया गया है। यह व्यापक एमआईएस कोयला क्षेत्र – उद्योग के सभी स्टेकधारकों, कोयला कंपनियों, सीआईएल, एनएलसी, राज्य सरकारों, मंत्रालयों/विभागों तथा कोयला मंत्रायल को जोड़ता है। विभिन्न राज्यों तथा/अथवा विभागों सहित लंबित मामलों वाली कोयला परियोजनाओं को इस प्रणाली में प्रस्तुत किया जाता है। इस मंच पर इन मुद्दों का गहन अनुवीक्षण, विचार–विमर्श और समाधान किया जाता है ताकि इस संबंध में संचयी सूचना प्रापण तथा निर्णय लेने में विलंब को दूर किया जा सके।

- कोयला मंत्रालय में ई–फाईल पूरी तरह कार्यात्मक है। अब मंत्रालय में कोई फिजिकल फाईल अथवा फिजिकल फाईल मूवमेंट नहीं है। हस्ताक्षर और सरकारी पत्र जारी करने के लिए डिजीटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (डीएससी) का प्रयोग किया जा रहा है। प्रभावी तथा पारदर्शी अंतर तथा अंतः सरकारी प्रक्रिया में शामिल होकर ई–गवर्नेंस को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय में कोल ई–ऑफिस मॉड्यूल्स–ई–लीव, ई–टूर, केएमएस प्रचालनरत हैं। ई–ऑफिस प्लेटफॉर्म में निरंतर कार्यचालन सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के लिए गैर–एनआईसीएनईटी नोड्स/लैपटाप पर वीपीएन की व्यवस्था की गई है। सिस्टम एक्सेस के लिए मंत्रालय में सभी